Shiv Pratap Shukla
Governor
Himachal Pradesh

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिव प्रताप शुक्ल
राज्यपाल
हिमाचल प्रदेश

संदेश

उच्च शिक्षा के संस्थान जहां व्यक्तिगत विकास, सामाजिक उन्नति, आर्थिक विकास और वैश्विक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं वहीं बौद्धिक जिज्ञासा को बढ़ावा देते हैं। इन संस्थानों में कुशल पेशेवरों और नवप्रवर्तकों को तैयार किया जाता है जो एक अधिक समृद्ध और समरस समाज के निर्माण में योगदान देते हैं। ऐसे संस्थानों के माध्यम से छात्रों को उनकी रुचियों, प्रतिभाओं और सीखने के उत्साह को खोजने और निखारने में मदद मिलती है। यह आलोचनात्मक सोच, समस्या–समाधान कौशल को बढ़ावा देता है और रचनात्मकता को बढ़ाता है, जो व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन, दोनों में मूल्यवान गुण हैं। उच्च शिक्षा छात्रों को विज्ञान, कला, इंजीनियरिंग, व्यवसाय आदि से लेकर विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान और कौशल से परिपूर्ण करती है। यह ज्ञान आधार व्यक्तियों को अपने चुने हुए पेशे में प्रभावी ढंग से योगदान करने और आत्मनिर्भर बनाने में सहायक है।

मैं समझता हूं कि उच्च शिक्षा व्यक्तियों और परिवारों के लिए गरीबी के चक्र को तोड़कर सामाजिक गतिशीलता का मार्ग प्रशस्त करती है। यह विविध पृष्ठभूमि के लोगों को उनकी सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार करने और बेहतर गुणवत्ता वाला जीवन जीने के अवसर प्रदान करती है। विश्वविद्यालय और उच्च संस्थान अनुसंधान और नवाचार के केंद्र हैं। वे अध्ययन, प्रयोग और अनुसंधान करते हैं जिससे चिकित्सा, प्रौद्योगिकी, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विज्ञान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति होती है। ये नवाचार समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं और प्रगति को आगे बढ़ाते हैं।

मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी की स्थापना जिस उद्देश्य के साथ की गई थी, उसके अनुरूप अल्पावधि में ही इस विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक उत्कृष्टता विकसित करके समाज के सभी वर्गों के लिए ज्ञान का सृजन, प्रसार और विशेष रूप से इस क्षेत्र के लोगों और सामान्य रूप से राज्य और राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में अपने आप को स्थापित किया है।

शिक्षा के क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश ने अनेक उपलब्धियां प्राप्त की हैं। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाले इस पहाड़ी प्रदेश ने शिक्षा के मानकों पर देश भर में आदर्श स्थापित किया है। उच्च साक्षरता दर और गुणात्मक अधोसंरचना के साथ हिमाचल विकास के शिखर तक पहुंचा है। मुझे विश्वास है कि राष्ट्रीय

राज भवन, शिमला–171 002
Raj Bhawan, Shimla-171002
0177-2624840, 2624451
0177-2624440, 2624152
governorsecy-hp@nic.in

Shiv Pratap Shukla
Governor
Himachal Pradesh

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिव प्रताप शुक्ल
राज्यपाल
हिमाचल प्रदेश

शिक्षा नीति को अपनाकर हिमाचल अन्य राज्यों के लिए शिक्षा का आदर्श राज्य स्थापित करने में देश भर में मिसाल कायम करेगा।

मैं सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी, हिमाचल प्रदेश के शिक्षक और गैर शिक्षक वर्ग को हार्दिक शुभकामनाएं और समस्त विद्यार्थी वर्ग के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

(शिव प्रताप शुक्ल)

राज भवन, शिमला-171 002
Raj Bhawan, Shimla-171002
0177-2624840, 2624451
0177-2624440, 2624152
governorsecy-hp@nic.in